
Ribhuproktam Vedashastramahasaram

—
ऋभुप्रोक्तं वेदशास्त्रमहासारम्
—

Document Information



Text title : Ribhuproktam Vedashastramahasaram

File name : RRibhuproktaMvedashAstramahAsAram.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | shaNkarAkhyah ShaShThAMshaH | adhyAyaH 7 | 1-25(1) ||

Latest update : August 5, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 5, 2023

sanskritdocuments.org

ऋभुप्रोक्तं वेदशास्त्रमहासारम्



(अखण्डैकरसं सर्वम्)

अत्यद्भुतं प्रवक्ष्यामि सर्वलोकेषु दुर्लभम् ।

वेदशास्त्रमहासारं दुर्लभं दुर्लभं सदा ॥ ७.१ ॥

अखण्डैकरसो मन्त्रमखण्डैकरसं फलम् ।

अखण्डैकरसो जीव अखण्डैकरसा क्रिया ॥ ७.२ ॥

अखण्डैकरसा भूमिरखण्डैकरसं जलम् ।

अखण्डैकरसो गन्ध अखण्डैकरसं वियत् ॥ ७.३ ॥

अखण्डैकरसं शास्त्रं अखण्डैकरसं श्रुतिः ।

अखण्डैकरसं ब्रह्म अखण्डैकरसं व्रतम् ॥ ७.४ ॥

अखण्डैकरसो विष्णुरखण्डैकरसः शिवः ।

अखण्डैकरसो ब्रह्मा अखण्डैकरसाः सुराः ॥ ७.५ ॥

अखण्डैकरसं सर्वमखण्डैकरसः स्वयम् ।

अखण्डैकरसश्चात्मा अखण्डैकरसो गुरुः ॥ ७.६ ॥

अखण्डैकरसं वाच्यमखण्डैकरसं महः ।

अखण्डैकरसं देह अखण्डैकरसं मनः ॥ ७.७ ॥

अखण्डैकरसं चित्तं अखण्डैकरसं सुखम् ।

अखण्डैकरसा विद्या अखण्डैकरसोऽव्ययः ॥ ७.८ ॥

अखण्डैकरसं नित्यमखण्डैकरसः परः ।

अखण्डैकरसात्किञ्चिदखण्डैकरसादहम् ॥ ७.९ ॥

अखण्डैकरसं वास्ति अखण्डैकरसं न हि ।

अखण्डैकरसादन्यतखण्डैकरसात्परः ॥ ७.१० ॥

अखण्डैकरसात्स्थूलं अखण्डैकरसं जनः ।

अखण्डैकरसं सूक्ष्ममखण्डैकरसं द्वयम् ॥ ७.११ ॥
 अखण्डैकरसं नास्ति अखण्डैकरसं बलम् ।
 अखण्डैकरसाद्विष्णुरखण्डैकरसादणुः ॥ ७.१२ ॥
 अखण्डैकरसं नास्ति अखण्डैकरसाद्भवान् ।
 अखण्डैकरसो ह्येव अखण्डैकरसादितम् ॥ ७.१३ ॥
 अखण्डितरसाज्ज्ञानं अखण्डितरसात्स्थितम् ।
 अखण्डैकरसा लीला (लीना) अखण्डैकरसः पिता ॥ ७.१४ ॥
 अखण्डैकरसा भक्ता अखण्डैकरसः पतिः ।
 अखण्डैकरसा माता अखण्डैकरसो विराट् ॥ ७.१५ ॥
 अखण्डैकरसं गात्रं अखण्डैकरसं शिरः ।
 अखण्डैकरसं घ्राणं अखण्डैकरसं बहिः ॥ ७.१६ ॥
 अखण्डैकरसं पूर्णमखण्डैकरसामृतम् ।
 अखण्डैकरसं श्रोत्रमखण्डैकरसं गृहम् ॥ ७.१७ ॥
 अखण्डैकरसं गोप्यमखण्डैकरसः शिवः ।
 अखण्डैकरसं नाम अखण्डैकरसो रविः ॥ ७.१८ ॥
 अखण्डैकरसः सोमः अखण्डैकरसो गुरुः ।
 अखण्डैकरसः साक्षी अखण्डैकरसः सुहृत् ॥ ७.१९ ॥
 अखण्डैकरसो बन्धुरखण्डैकरसोऽस्म्यहम् ।
 अखण्डैकरसो राजा अखण्डैकरसं पुरम् ॥ ७.२० ॥
 अखण्डैकरसैश्वर्यं अखण्डैकरसं प्रभुः ।
 अखण्डैकरसो मन्त्र अखण्डैकरसो जपः ॥ ७.२१ ॥
 अखण्डैकरसं ध्यानमखण्डैकरसं पदम् ।
 अखण्डैकरसं ग्राह्यमखण्डैकरसं महान् ॥ ७.२२ ॥
 अखण्डैकरसं ज्योतिरखण्डैकरसं परम् ।
 अखण्डैकरसं भोज्यमखण्डैकरसं हविः ॥ ७.२३ ॥
 अखण्डैकरसो होमः अखण्डैकरसो जयः ।
 अखण्डैकरसः स्वर्गः अखण्डैकरसः स्वयम् ॥ ७.२४ ॥

अखण्डैकरसाकारादन्यन्नास्ति नहि क्वचित् । ७।२५(१)

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते ऋभुप्रोक्तं वेदशास्त्रमहासारं सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । शङ्कराख्यः षष्ठांशः । अध्यायः ७ । १-२५(१) ॥

- .. shrIshivarahasyam . shankarAkhyaH ShaShThAMshaH . adhyAyaH 7 .
1-25(1) ..

Notes :

Shiva Rahasyam Amsa-06 consists of the 50 Adhyaya-s that comprise the Ribhu Gita.

Selected verses from Ribhu Gita have been compiled here based on similarity of content.

Proofread by Ruma Dewan

—
Ribhuproktam Vedashastramahasaram

pdf was typeset on August 5, 2023

—
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

